

प्रेषक,

एस०के०दास
प्रमुख सचिव
उत्तरांचल शासन ।

सेवा में,

निदेशक,
होम्योपैथिक
उत्तरांचल देहरादून ।

चिकित्सा अनुभाग-1

देहरादून: दिनांक २४ मार्च 2005

विषय: केन्द्र पोषित योजना वर्ष 2004-05 दो दिन के कन्टीन्यूइंग मेडिकल एजुकेशन फार होम्योपैथिक फिजिशियन्स आफ उत्तरांचल हेतु आकस्मिकता निधि से धनराशि की स्वीकृति विषयक ।

नहोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र सं०-नि०हो०/अनुपूरक मांग /के० पो०यो०/2004-05/511 दिनांक 02.02.2005 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि केन्द्र पोषित योजना दो दिन के कन्टीन्यूइंग मेडिकल एजुकेशन फार होम्योपैथिक फिजिशियन्स आफ उत्तरांचल हेतु धनराशि हेतु रु० 1,01,600 (रु० एक लाख एक हजार छह मात्र) भारत सरकार के पत्र सं०- जैड 14012/ 23/ 2003-04-ई एण्ड सी. (।।) दिनांक 17 सितम्बर 2004 के क्रम में राज्य आकस्मिकता निधि से अग्रिम के रूप में आहरित कर व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

2- उक्त स्वीकृति में भारत सरकार द्वारा समय-समय पर निर्गत दिशा निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा। उक्त धनराशि की प्रतिपूर्ति आगामी नई मांग /अनुपूरक मांग द्वारा अविलम्ब करा ली जाय।

3- स्वीकृत धनराशि का आहरण की सूचना महालेखाकार लेखा कार्यालय उत्तरांचल देहरादून को शासनादेश की प्रति के साथ कोषागार का नाम वाउचर संख्या, लेखाशीर्षक तथा आहरण की तिथि सहित प्रतिमाह वित्तीय मौखिक प्रगति से शासन को अवगत कराये ।

4- इस शासनादेश में वित्त विभाग द्वारा निर्धारित दिशिष्ट शर्तों का अनुपालन विभाग में तैनात वित्त नियंत्रक/मुख्य दूरिष्ट लेखाधिकारी जैसी भी स्थिति हो यदि निर्धारित शर्तों का किसी प्रकार का विचलन हो तो संबंधित वित्त नियंत्रक आदि मानले की सूचना पूर्ण विवरण सहित तुरन्त वित्त विभाग को देना सुनिश्चित करेंगे।

5- चूँकि प्रस्तर-1 में स्वीकृत धनराशि के लिये चालू वित्तीय वर्ष के आय-व्ययक में इस प्रयोजन हेतु कोई बजट व्यवस्था नहीं की गयी है। जबकि व्यय तत्काल आवश्यक एवं अपरिहार्य है। अतः रु० 1,01,6,20 (रु० एक लाख एक हजार छह सौ मात्र) की धनराशि राज्य आकस्मिकता निधि से अग्रिम के रूप में आहरित कर व्यय किए जाने की स्वीकृति प्रदान करते हैं। उक्त धनराशि की प्रतिपूर्ति/समायोजन आगामी आय-व्ययक से किया जायेगा।

6- उक्त पर होने वाला व्यय प्रथमतः लेखाशीर्षक-8000-राज्य आकस्मिकता निधि -लेखा-201-समेकित निधि के विनियोजन तथा अन्ततः अनुदान संख्या-12 लेखाशीर्षक 2210-चिकित्सा तथा लोक स्वास्थ्य -आयोजनागत 04-ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाये 102-होम्योपैथिक -01-केंद्रीय आयोजनाग केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित योजनाएं 06-दो दिवसीय कन्टीन्यूइंग मेडिकल एजुकेशन फार होम्योपैथिक फिजिशियन्स आफ उत्तरांचल के नामे डाला जायेगा।

7- यह आदेश वित्त विभाग के अशा0 सं0-1890/वित्त अनुभाग-2/2004 दिनांक 22.03.2005 में प्राप्त सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(एस0 के0 घास)
प्रमुख सचिव।

रा.अ.नि. सं0-79/XXXII (2) 2005

प्रतिलिपि: महालेखाकार लेखा एवं हकदारी उत्तरांचल देहरादून को एक अतिरिक्त प्रति सहित आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

(एल. एम. पंत)

अपर सचिव
वित्त विभाग।

सं0 व दिनांक तदैव।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

- 1- प्रमुख सचिव मा0 मुख्य मंत्री, उत्तरांचल।
- 2- अनु सचिव, भारत सरकार, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, आयुष विभाग आई.आर.सी.एस. बिल्डिंग नई दिल्ली को उनके पत्र संख्या - जैड 14012/11/2004-ई /सी.(1) दिनांक 17 सितम्बर 2004 के कम ने सूचनार्थ प्रेषित।
- 3- वरिष्ठ कोषाधिकारी देहरादून।
- 3- वित्त अनुभाग-2/नियोजन विभाग/एन.आई.सी.।
- 4- गार्ड फाईल।

आज्ञा स्ते,

(अतर सिंह)
उप सचिव।